The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 2 | Issue 5 | May 2024
ISSN: 2583-973X (Online)
Website: www.theacademic.in

जौनपुर जनपद (उ0 प्र0) में फसल सघनता में परिवर्तनः एक भौगोलिक अध्ययन

डा0 राकेश कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल विभाग, बयालसी पी0 जी0 कालेज जलालपुर, जौनपुर

E- mail: rkgautambhu@gmail,com

ARTICLE DETAILS

Research Paper

ABSTRACT

वर्तमान आर्थिक युग में मानव की बढ़ती असीमित आवश्यकताओं के साथ ही साथ भोजन की पूर्ति के लिए मानव को कृषि का अविवेकपूर्ण उपयोग कर रहे है, जिसके कारण फसलों पर मनुष्य का भार बढ़ता जा रहा है। इसी प्रकार फसल मानव जीवन को प्रभावित करने वाला सम्भवतः सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक विशेषता है। कृषि स्वयं सामाजिक आर्थिक एवं जनांकिकीय विशेषताओं द्वारा प्रभावित होता है और फसल सामाजिक आर्थिक स्तर का सूचक भी होता है क्योंकि कृषिगत उत्पादन के अध्ययन से क्षेत्र विशेष के निवासियो के रहन–सहन एवं जीवन यापन के स्तर का स्टीक अनुमान लगाया जा सकता है। भौगोलिक वातावरण में कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित क्रियाकलाप अति महत्वपूर्ण है क्योकि वर्तमान समय में जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है आधुनिक युग में मानव के भरण पोषण एवं उद्योग धन्धो का आधार कृषि ही है, जबकि कृषि क्षेत्रों में कमी आयी है फिर भी फसलोत्पादन में वृद्धि हुई है इसीप्रकार अनेक फसलो के क्षेत्रीय वितरण से बने प्रतिरूप को फसल प्रतिरूप कहते है प्रत्येक फसल क्षेत्र के प्रतिशत की गणना कुल फसल क्षेत्र से की जाती है। जौनपुर जनपद में फसलों के अन्तर्गत वर्ष 2000–2001 में सकल

बोयें गये क्षेत्रफल 434687 हेक्टेयर था जो वर्ष 2010–2011 में बढ़कर 474960 हेक्टेयर हो गया। कुल धान्य फसले वर्ष 2000–2001 में 370540 (85.24%) हेक्टेयर था जो वर्ष 2010–2011 में बढ़कर 409192 (86.15%) हेक्टेयर हो गया। सम्पूर्ण खाद्य फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल 2000–2001 में 404483 (93. 05%) था जो वर्ष 2010–2011 में घटकर 437612 (92.14%) हो गयी, सम्पूर्ण अखाद्य फसलों का क्षेत्रफल वर्ष 2000–2001 में 1082 (0.24%) था जो वर्ष 2010–2011 में घटकर 171 (0.03 %) रह गया।

प्रस्तावना

मनुष्य अपने जिविकोपार्जन एवं पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु फसलो की उत्पादन में लगा रहता है उसे उसका कृषि कहते है। फसल सघनता या गहनता से तात्पर्य एक कृषि वर्ष में शुद्ध क्षेत्रफल पर फसल उत्पादन के अवसरों का सम्बन्ध देखा जाता है। इस प्रकार दूसरे शब्दों में फसल सघनता ''वह सामयिक बिन्दु है, जहाँ भूमि, श्रम, पूँजी तथा प्रबन्ध का सम्मिश्रण सर्वाधिक लाभप्रद सिद्ध होता है'' (टण्डन एवं डाडेयाल 1967)।

भौगोलिक वातावरण में कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित क्रियाकलाप अति महत्वपूर्ण है क्योकि वर्तमान समय में जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है। आधुनिक युग में मानव के भरण पोषण एवं उद्योग धन्धो का आधार कृषि ही है, जबकि कृषि क्षेत्रों में कमी आयी है फिर भी फसलोत्पादन में वृद्धि हुई है। इसीप्रकार अनेक फसलो के क्षेत्रीय वितरण से बने प्रतिरूप को फसल प्रतिरूप कहते है (कुमार 2018)।

अध्ययन का उद्देश्य

1. जौनपुर जनपद की फसलो के वितरण का विकासखण्ड स्तर पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. फसल उत्पादन की दृष्टि से पिछड़े हुए क्षेत्रों की पहचान कर उसके समग्र विकास हेतु सुझाव प्रस्तावित करना तथा इस क्षेत्रों में व्याप्त असन्तुलन को दूर करने हेतु नियोजन हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

आँकड़ा स्रोत एवं विधितंत्र – द्वितीयक सूचनाओं का संग्रह 63J/8, J/12, 63K/1, K/2, K/5, K/6, K/7, K/9, K/10, K/11, K/13, K/14, तथा 63 O/2, भू–पत्रक 1:50000, ग्राम्य विकास सीमांकित विकासखण्ड मानचित्र, भारतीय जनगणना, सांख्यिकीय पत्रिका जौनपुर से प्राप्त किया गया है। यह अध्ययन द्वितीयक ऑकड़ों पर आधरित है एवं इसे सांख्यिकीय ऑकड़ों, मानचित्रों एवं आरेखों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। वितरण प्रतिरूप एवं दशकीय परिवर्तन के अध्ययन हेतु संग्रहित किये गये द्वितीयक ऑकड़ों की सहायता से विभिन्न सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है। ऑकड़ों को प्रतिशत के रूप में प्रस्तुत करने के लिए Microsoft Office 2007, MS.Excel. का प्रयोग किया गया है। मानचित्रण हेतु Arc GIS 10.1, साफ्टवेयर का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र – जौनपुर जनपद का अक्षांशीय विस्तार 25 º 26′ से 26 º 11′ उत्तरी अक्षांश तथा 82 º 8′ से 83 º 5′ पूर्वी देशांतर के मध्य है जो गंगा घाटी के पूर्वी उत्तरी प्रदेशस्थ वाराणसी मण्डल के पश्चिमोत्तर भाग में अवस्थित है। यह क्षेत्र सांस्कृतिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इस जनपद के उत्तर एवं उत्तर–पश्चिम में सुलतानपुर तथा दक्षिण में वाराणसी एवं संत रविदास नगर तथा पूर्व में गाजीपुर एवं आजमगढ़ तथा पश्चिम में इलाहाबाद व प्रतापगढ़ जनपद अवस्थित है। जौनपुर जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 4038 वर्ग किमी0 है, 2011 के जनगणना के आधार पर कुल

जनसंख्या 4494204 थी, जिसमें 2273739 स्त्री तथा 2220465 पूरूषों की जनसंख्या है। इस प्रकार समस्त जनसंख्या में 4147624 (92.29%) जनसंख्या ग्रामीण है एवं 346580 (7.71%) जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में निवास करती है, तथा इस जनपद की समुद्र सतह से औसतन ऊॅचाई 79.66 मी0 है(मानचित्र 1.1)।

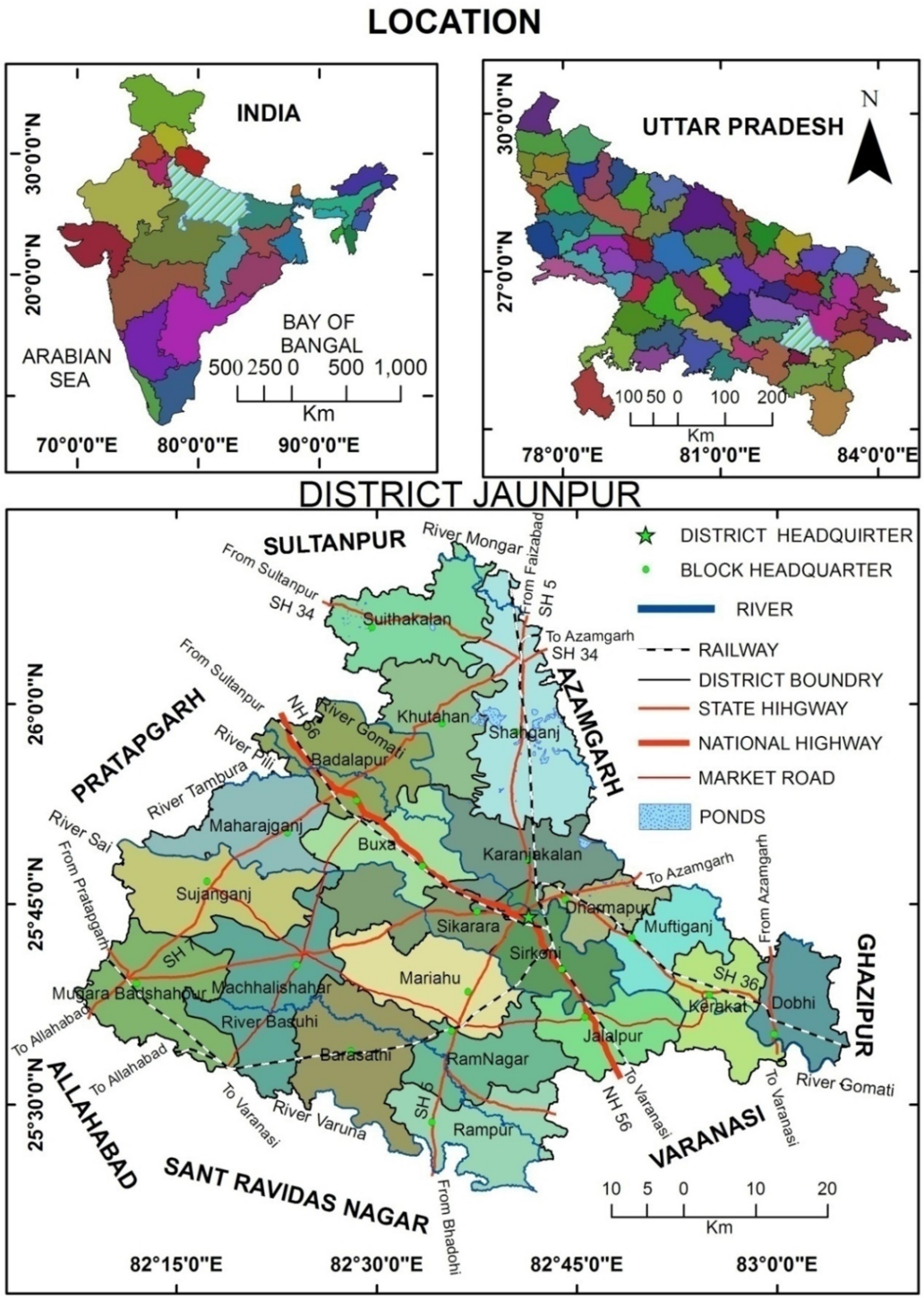

LOCATION
INDIA
ARABIAN SEA
BAY OF BANGAL
500 250 0 500 1,000
Km
30°0'0"N
20°0'0"N
70°0'0"E
80°0'0"E
90°0'0"E
UTTAR PRADESH
N
100 50 0 100 200
Km
30°0'0"N
27°0'0"N
78°0'0"E
81°0'0"E
84°0'0"E
DISTRICT JAUNPUR
SULTANPUR
PRATAPGARH
AZAMGARH
GHAZIPUR
VARANASI
ALLAHABAD
SANT RAVIDAS NAGAR
DISTRICT HEADQUIRTER
BLOCK HEADQUARTER
RIVER
RAILWAY
DISTRICT BOUNDRY
STATE HIHGWAY
NATIONAL HIGHWAY
MARKET ROAD
PONDS
River Mongar
From Faizabad
SH 5
From Sultanpur
SH 34
To Azamgarh
SH 34
Suithakalan
Khutahan
Shahganj
From Sultanpur
NH 56
River Gomati
River Pili
River Tambura
Badalapur
Maharajganj
River Sai
From Pratapgarh
Buxa
Karanjakalan
To Azamgarh
Sujanganj
Dharmapur
Muftiganj
From Azamgarh
Sikarara
SH 7
Sirkoni
SH 36
Mariahu
Mugara Badshahpur
Machhalishahar
Kerakat
Dobhi
To Allahabad
River Basuhi
Jalalpur
Barasathi
RamNagar
To Allahabad
River Gomati
To Varanasi
River Varuna
SH 5
Rampur
NH 56
To Varanasi
To Varanasi
From Bhadohi
10 5 0 10 20
Km
26°0'0"N
25°45'0"N
25°30'0"N
82°15'0"E
82°30'0"E
82°45'0"E
83°0'0"E

मानचित्र सं0 1.1

फसल सघनता

यह जनपद मध्य गंगा के मैदान में अवस्थित होने के कारण यहॉ की मिट्टी जलोढ़ है एवं सिंचाई के साधनों की उपलब्धता होने से वर्ष में अनेक फसलें उगायी जाती है जिससे खाद्य आपूर्ति किया जा सकता है। फसल सघनता या गहनता से तात्पर्य एक कृषि वर्ष में शुद्ध क्षेत्रफल पर फसल उत्पादन के अवसरों का सम्बन्ध देखा जाता है। इस प्रकार दूसरे शब्दों में फसल सघनता ''वह सामयिक बिन्दु है, जहाँ भूमि, श्रम, पूँजी तथा प्रबन्ध का सम्मिश्रण सर्वाधिक लाभप्रद सिद्ध होता है'' (टण्डन एवं डाडेयाल 1967)। फसल सघनता से आशय एक ही खेत में एक कृषि वर्ष में उगायी गयी फसलों की संख्या से है। यह शुद्ध बोये गये क्षेत्र और सकल फसलगत क्षेत्र के बीच अनुपात को अभिव्यक्त करता है। इसे निम्न सूत्र द्वारा परिकलित किया जाता है

$$\text{फसल सघनता} \frac{\text{सकल फसलगत क्षेत्र}}{\text{शुद्ध बोया गया क्षेत्र}} \text{ x } 100$$

इस प्रकार तालिका संख्या 1.2 के आधार पर अध्ययन क्षेत्र में वर्ष 2005–2006 में फसल सघनता 158.88 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2015–2016 में बढ़कर 169.15 प्रतिशत हो गयी। इस प्रकार दस वर्षो के अन्तराल पर फसल सघनता में 10.27 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है जिसके लिए प्रमुख कारण उर्वरतायुक्त मृदा, सिंचाई के साधनों की अधिकता, तथा कृषि यन्त्रों का विकास है। विकासखण्डस्तर पर देखा जाय तो वर्ष 2005–2006 में सर्वाधिक फसल सघनता मुफ्तीगंज विकासखण्ड (190.81%) में तथा सबसे कम करंजाकला विकासखण्ड (130.90%) में थी एवं वर्ष 2015–2015 में सर्वाधिक फसल सघनता धर्मापुर विकासखण्ड (173.33%) में थी एवं सबसे कम फसल सघनत मड़ियाहूँ विकासखण्ड (163.30%) में है

तालिका सं0 1.1

जौनपुर जनपद की फसल सघनता

विकास खण्ड	वर्ष 2005–2006		फसल सघनता	वर्ष 2015–2016		फसल सघनता
	शुद्ध बोया गया क्षे0 (हे0)	सकल बोया गया क्षे0 (हे0)		शुद्ध बोया गया क्षे0 (हे0)	सकल बोया गया क्षे0 (हे0)	
सुईथाकला	12902	19601	151.92	12304	20888	169.77
शाहगंज	17018	23976	140.89	18397	30958	168.28
खुटहन	11318	15852	140.06	12278	21161	172.35
करंजाकला	13544	17730	130.90	13269	22066	166.30
बदलापुर	15575	24861	159.62	15873	26786	168.75
महराजगंज	12999	20813	160.11	13189	22376	169.66
बक्शा	13207	21891	165.75	12855	21749	169.19
सुजानगंज	16075	27252	159.53	15683	26627	169.78
मु0बादशाहपुर	17057	25824	151.40	16502	27956	169.41
मछलीशहर	18340	29280	159.65	18314	30950	168.99
मड़ियाहूँ	15008	24503	163.27	14984	24469	163.30
बरसठी	14291	24974	174.75	14709	24843	168.90
सिकरारा	11305	18979	167.88	10952	18540	169.28
धर्मापुर	8243	14436	175.13	6771	11736	173.33
रामनगर	12867	22547	175.23	12640	21094	166.88
रामपुर	13843	20820	150.40	13401	22490	167.82
मुफ्तीगंज	9838	18772	190.81	9619	16296	169.41
जलालपुर	10912	16988	155.68	10732	18199	169.58
केराकत	10951	19354	176.73	11704	19792	169.10
डोभी	11244	18027	160.33	10975	18497	168.54
सिरकोनी	11039	14823	134.28	10685	18113	169.52
ग्रामीण योग	277576	441303	158.98	275836	466586	169.15
नगरीय योग	1498	2101	140.25	1350	2263	167.63
जनपद योग	279074	443404	158.88	277186	468849	169.15

स्रोत : जनपद सांख्यिकीय पत्रिका वर्ष 2006–2007 व 2016–2017 के अधार पर परिकलित

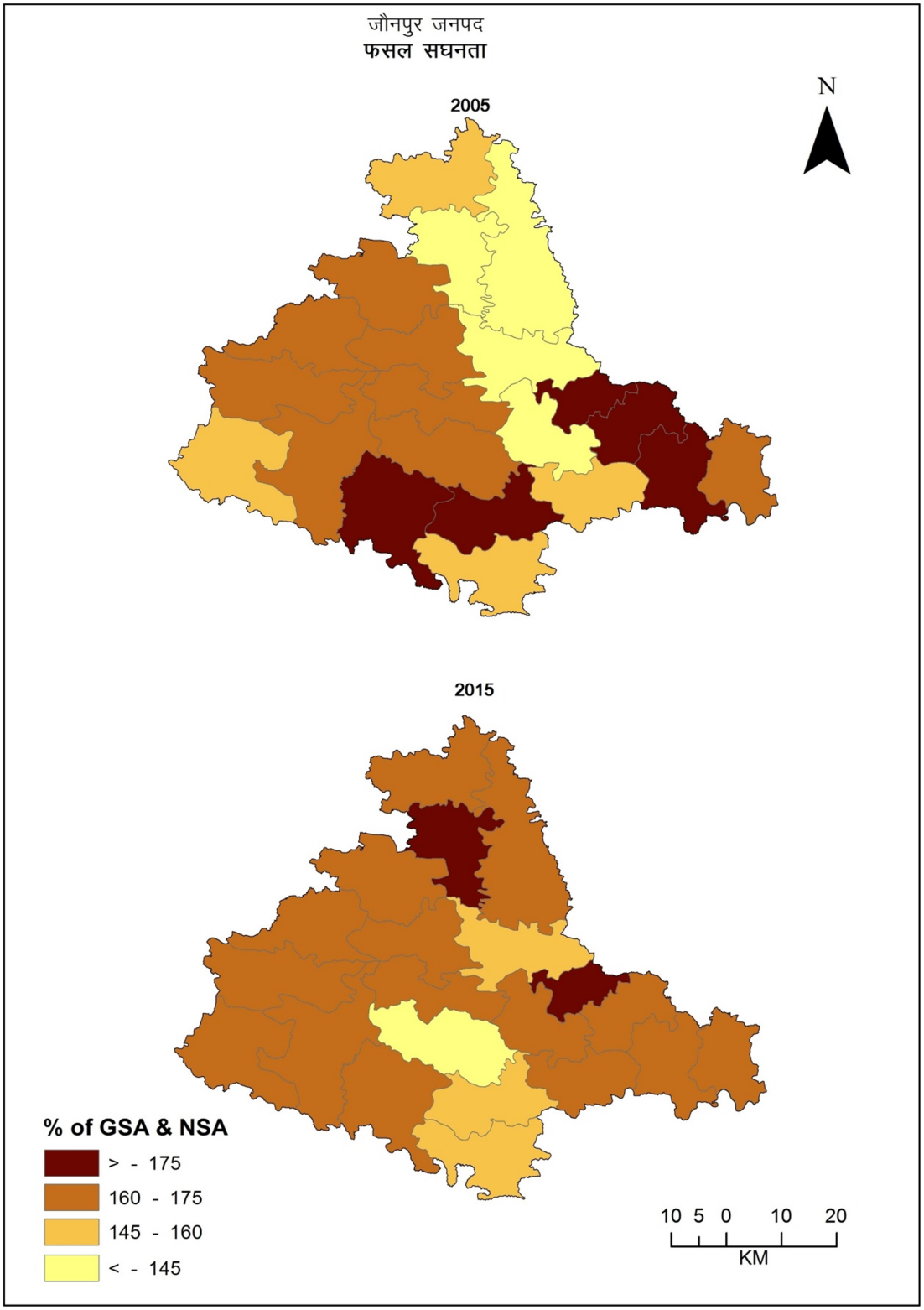
जौनपुर जनपद
फसल सघनता
N
2005
2015
% of GSA & NSA
> - 175
160 - 175
145 - 160
< - 145
10 5 0 10 20
KM

मानचित्र सं0 1.2

तालिका सं0 1.2

जौनपुर जनपद में विकासखण्डवार दशकीय जनसंख्या वृद्धि

विकास खण्ड	जनसंख्या प्रतिशत में वर्ष 2001			जनसंख्या प्रतिशत में वर्ष 2011			जनसंख्या परिवर्तन वर्ष 2001–2011		
	कुल व्यक्ति	पुरूष	स्त्री	कुल व्यक्ति	पुरूष	स्त्री	कुल व्यक्ति	पुरूष	स्त्री
सुईथाकला	25.4	23.7	27.15	19.31	18.64	19.99	-6.09	-5.06	-7.16
शाहगंज	21.61	20.8	22.42	23.48	24.16	22.8	1.87	3.36	0.38
खुटहन	23.14	21.83	24.47	16.5	16.95	16.06	-6.64	-4.88	-8.41
करंजाकला	27.86	26.56	29.21	18.25	18.08	18.43	-9.61	-8.48	-10.78
बदलापुर	21.72	20.47	22.99	14.45	13.38	15.52	-7.27	-7.09	-7.47
महराजगंज	24.71	23.62	25.8	13.78	13.61	13.95	-10.93	-10.01	-11.85
बक्शा	23.46	22.63	24.29	11.96	10.38	13.53	-11.5	-12.25	-10.76
सुजानगंज	20.06	18.33	21.76	14.25	14.48	14.02	-5.81	-3.85	-7.74
मु0बादशाहपुर	24.47	23.49	25.46	18.97	19.84	20.49	-5.5	-3.65	-4.97
मछलीशहर	16.99	15.2	18.77	17.67	16.51	18.79	0.68	1.31	0.02
मड़ियाहूँ	21.39	20.14	22.59	12.59	11.72	13.42	-8.8	-8.42	-9.17
बरसठी	20.54	18.59	22.45	7.47	4.69	10.11	-13.07	-13.9	-12.34
सिकरारा	20.4	20.29	20.51	16.61	16.21	17.01	-3.79	-4.08	-3.5
धर्मापुर	22.62	21.15	24.07	8.27	8.61	7.94	-14.35	-12.54	-16.13
रामनगर	15.37	13.95	16.8	8.81	7.31	10.28	-6.56	-6.64	-6.52
रामपुर	15.1	13.01	17.23	9.22	7.91	10.51	-5.88	-5.1	6.72
मुफ्तीगंज	18.79	17.59	19.9	12.74	12.81	12.68	-6.05	-4.78	-7.22
जलालपुर	20.21	18.02	22.38	10.69	11.24	10.16	-9.52	-6.78	-12.22
केराकत	17.24	16.32	18.09	13.58	13.64	13.52	-3.66	-2.68	-4.57
डोभी	20.93	20.5	21.34	14.39	14.53	14.26	-6.54	-5.97	-7.08
सिरकोनी	21.39	19.97	22.85	14.78	15	14.55	-6.61	-4.97	-8.3
जनपद योग	21.01	19.72	22.3	14.5	13.99	15	-6.51	-5.73	-7.3

स्रोतः कार्यालय जनसंख्या उ0 प्र0 निदेशालय लखनऊ के आधार पर परिकलित

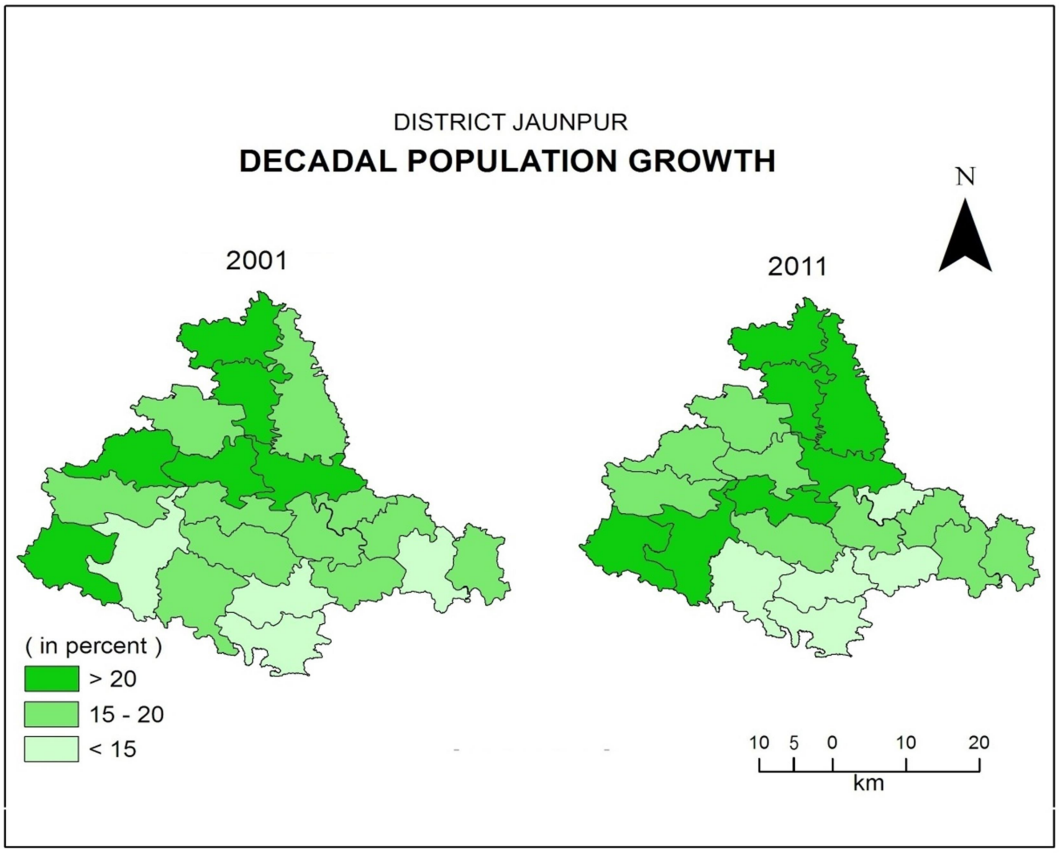

मानचित्र सं0 1.3

जिसके लिए प्रमुख उत्तरदायी कारक नहरों का विकास, राजकीय एवं निजी नलकूपों की अधिकता, जलोढ़ मृदा, जनपद के अनेक क्षेत्रों में चेकडैम की उपलब्धता, रासायनिक उर्वरकों का प्रति हेक्टेयर अधिक उपयोग एवं निर्वाहन कृषि के अतिरिक्त व्यापारिक कृषि पर बल देना है (तालिका सं0 1. तथा मानचित्र सं0 1.2)।

जनसंख्या वृद्धि

इस जनपद को यदि विकासखण्डवार जनसंख्या वृद्धि के आधार पर देखा जाय तो वर्ष 2001 में सर्वाधिक कुल जनसंख्या 27.86 प्रतिशत करंजाकला विकासखण्ड का था जिसमें सर्वाधिक पुरूष जनसंख्या का प्रतिशत 26.56 था

एवं 29.21 प्रतिशत स्त्रियों की जनसंख्या थी तथा वर्ष 2001 में सबसे कम कुल जनसंख्या 15.10 प्रतिशत रामपुर विकासखण्ड का था जिसमे सबसे कम पुरूष जनसंख्या का प्रतिशत 13.01 था एवं 17.23 प्रतिशत स्त्रियों की जनसंख्या थी वर्ष 2011 में सर्वाधिक कुल जनसंख्या 23.48 प्रतिशत शाहगंज विकासखण्ड का है जिसमें सर्वाधिक पुरूष जनसंख्या का प्रतिशत 24.16 है एवं 22.80 प्रतिशत स्त्रियों की जनसंख्या हो गयी वर्ष 2011 में सबसे कम कुल जनसंख्या 7.47 प्रतिशत बरसठी विकासखण्ड का है, जिसमे सबसे कम पुरूष जनसंख्या का प्रतिशत 4.69 है, एवं 10.11 प्रतिशत स्त्रियों की जनसंख्या हो गयी। इस प्रकार वर्ष 2001–2011 के मध्य दशकीय परिवर्तन शाहगंज विकासखण्ड में मिलती है जो कुल जनसंख्या 1.87 प्रतिशत गतदशक धनात्मक परिवर्तन हुआ जिसमे पुरूषों की जनसंख्या का 3.36 प्रतिशत तथा 0.38 प्रतिशत स्त्रियों की जनसंख्या में गतदशक धनात्मक परिवर्तन हुआ है (तालिका संख्या 1.2 एवं मानचित्र संख्या 3)।

निष्कर्ष

जौनपुर जनपद मुख्यतः गॉव प्रधान क्षेत्र है, इसकी 96.32% जनसंख्या ग्रामीण तथा 3.68% जनसंख्या नगरीय है। सम्पूर्ण जनसंख्या का मात्र 23.95% ही आर्थिक क्रियाकलापों में संलग्न है। 2011 की जनगणना के अनुसार प्राथमिक कार्य में कार्यशील जनसंख्या का 86.71% है जिसमें 55.52% कृषक, 11.07% कृषि श्रमिक हैं। द्वितीयक कार्यो में 2.87% व्यक्ति कार्यरत हैं जिसमें उद्योग, खनन, पारिवारिक, गैर पारिवारिक, उद्योग एवं सम्बन्धित व्यवसाय हैं। तृतीयक कार्यो में व्यावसायिक एवं वाणिज्य, यातायात एवं संचार तथा अन्य सेवाओं में 10.42% जनसंख्या कार्यरत है।

कृषि कार्य की प्रधानता के कारण कार्यरत जनसंख्या का अधिकांश भाग इसी कार्य से जुड़ा हुआ है। कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्यो में जनसंख्या का झुकाव कम होने से कृषि पर जनसंख्या का भार बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र में प्राथमिक कार्यो में संलग्न सर्वाधिक जनसंख्या का कारण विभिन्न

विकासखण्डों में कृषि कार्य की प्रधानता तथा उद्योग धन्धो का अभाव है। नगरीय जनसंख्या की कमी के कारण द्वितीयक एवं तृतीयक कार्यो में इनका प्रतिशत भी अल्प है।

उपरोक्त अध्ययन से यह स्पष्ट हो जाता है कि अध्ययन क्षेत्र एक कृषि प्रधान क्षेत्र है यहॉ पर खनिज संसाधनों का अभाव है। यहॉ कृषि कार्य में संलग्न जनसंख्या में छोटे एवं भूमिहीन कृषक मजदूरों की संख्या अधिक है। अध्ययन क्षेत्र में मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के सभी लोगों को सम्मिलित करके ऐसी व्यवस्था करनी होगी। जिसमें सम्पूर्ण जनसंख्या का भरण पोषण हो सके तथा जौनपुर जनपद का सर्वांगिण विकास हो सके।

REFRENCE

1. Singh,A.K. 2003, *Changing Workforce Structure in India*, 1981-2001:An Inter-State study, The Indian Jouenal of Labour Economics, Vo.46 No. 4, pp. 900-905.
2. कुमार, राकेश, 2018. *जौनपुर जनपद (उ0 प्र0) में जल संसाधन एवं उसका कृषिगत उपयोगः एक भौगोलिक अध्ययन,* अप्रकाशित शोध प्रबंध काशी हिन्दू विश्व विद्यालय वाराणसी पृ0 सं0 16–73
3. जेलिस्की, डब्ल्यू 1966., ''एनॉलाग टू पापुलेशन ज्योग्राफी'' प्रेन्टीस हाल पृष्ठ 34–35
4. शुक्ल, राजेश व शुक्ल, रश्मि 2009., ''औधोगिक भूगोल''अजुर्न पब्लिशिंग हाऊस दरियागंज नई दिल्ली पृष्ठ 2
5. चादना, आर0 सी0 1994., ''जनसंख्या भूगोल'' कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृष्ठ 112
6. चीब, एस0 एस0, 1984., ''कास्ट कल्चर एण्ड इकोनामी ऑफ दी टाउन्स ऑफ हिमालय'' एस0 एस0 पब्लिकेशन नई दिल्ली।
7. डाइट्रेच, एस0 डर, फ्लोरिडा, एस0, 1948., ''ह्यूमेन रिसोर्स ज्योग्राफिकल रिव्यू'' वाल्यूम 38 (2) अप्रेल पृष्ठ 278
8. लाल, हिरा, 1984., ''जनसंख्या भूगोल'' वसुन्धरा प्रकाशन दाउदपुर गोरखपुर पृष्ठ 74–124
9. स्टील, आर0 डब्ल्यू0 1955., ''लैण्ड एण्ड पीपुल इन दी ब्रिटिश ट्रापिकल अफ्रीका ज्योग्राफी'' पृष्ठ 40
10. क्लार्क, आई0 जे0 19710., ''पापुलेशन ज्योग्राफी एण्ड डेवलपिंग कन्ट्रीज'' पर्गामेन प्रेस ऑक्सफोर्ड, पृष्ठ 131

11- वाडिया, डी0 एन0 1975., ''ज्योलॉजी ऑफ इण्डियॉ '' टाटा मैक्ग्रा हिल पब्लि0 कं0 नई दिल्ली, पृष्ठ 364–375

12- विलकाक्स, एल0 वी0 1954.,''स्वायल सांईस'' पृष्ठ 77–255